भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या **847+**

जिसका उत्‍तर शुक्रवार, 22 दिसम्‍बर, 2017/1 पौष, 1939 (शक) को दिया जाना है।

**बरौनी उर्वरक संयंत्र का पुनरुद्धार**

**+847. श्री राम नाथ ठाकुर :**

क्‍या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्‍या यह सच है कि सरकार ने बिहार के बरौनी उर्वरक संयंत्र जो कई वर्षों से बंद पड़ा है, का पुनरुद्धार करने के लिए योजनाएं बनायी हैं यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है;

(ख) क्‍या यह भी सच है कि बरौनी उर्वरक संयंत्र के बंद होने से बिहार राज्‍य पर बहुत बुरा असर पड़ा है;

(ग) यदि हां, तो बरौनी उर्वरक संयंत्र कब तक पुन: चालू होगा; और

(घ) क्‍या इसके पुनरुद्धार के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है, यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है? ‍

**उत्‍तर**

**योजना मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(राव इन्‍द्रजीत सिंह)**

**(क):** जी, हां। मंत्रिमंडल ने 1.27 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष (एमएमटीपीए) क्षमता का एक गैस आधारित अमोनिया यूरिया संयंत्र की स्‍थापना करके नामित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा ‘नामांकन आधार’ पर एचएफसीएल की बरौनी इकाई का पुनरुद्धार करने के लिए 13.07.2016 को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, बरौनी इकाई के पुनरुद्धार कार्य के लिए एक संयुक्‍त उद्यम (जेवी) कंपनी हिन्‍दुस्‍तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की स्‍थापना की गई है जिसमें नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन, कोल इंडिया लिमिटेड, इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड तथा फर्टिलाइजर कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड/हिन्‍दुस्‍तान फर्टिलाइजर कारपोरेशन लिमिटेड शामिल हैं।

-: 2 :-

**(ख):** जी, नहीं। बिहार राज्‍य की उर्वरकों की मांग समीपवर्ती उर्वरक संयंत्रों से पूरी की जा रही है।

**(ग) तथा (घ):** अभी तक हुई प्रगति निम्‍नानुसार हैं:

I. निम्‍नलिखित परियोजना पूर्व कार्यकलाप पूरे कर लिए गए हैं:

(i) पूर्व-संभाव्‍यता

(ii) भू-तकनीकी जांच तथा स्‍थलाकृति अध्‍ययन

(iii) जल उपलब्‍धता के लिए जल-भू वैज्ञानिकी तथा भू-जल अध्‍ययन

(iv) पर्यावरण अनापत्ति प्राप्‍त कर ली गई है।

(v) संबंधित राज्‍य प्राधिकारियों के साथ विद्युत तथा जल आपूर्ति करारों पर हस्‍ताक्षर के लिए कार्रवाई पहले ही शुरू कर दी गई है।

II. मुख्‍य संयंत्र एक-मुश्‍त आद्योपान्‍त (एलएसटीके) संविदाओं के लिए बोलियां 06.11.2017 को खोली गई।

III. बरौनी स्थित नए उर्वरक संयंत्र में दिसम्‍बर, 2020 के अंत तक उत्‍पादन शुरू होने की संभावना है।

\*\*\*\*\*\*\*\*\*